भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4207
दिनांक 20दिसम्बर, 2024 को उत्तर देने के लिए

पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम

4207. श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी:

क्या **महिला एवं बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या कितनी है;

(ख) इस कार्यक्रम के अंतर्गत कुल कितने आंगनवाड़ी केंद्रों का कौशल स्तर उन्नयन किए जाने की योजना है;

(ग) क्या सरकार इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के लिए कोई विशेष पहल करने की योजना बना रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) देश भर में इस कार्यक्रम का समग्र प्रभाव क्या रहा है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (घ): भारत सरकार ने 10 मई, 2023 को सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के कौशल उन्नयन करने के लिए पोषण भी पढाई भी पहल शुरू की ताकि दिव्यांग बच्चों सहित छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख करने तथा शिक्षा(ईसीसीई) एवं पोषण सेवा प्रदान करने की उनकी क्षमता को सुदृढ़ किया जा सके।

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की क्षमता निर्माण के साथ आंगनवाड़ी केंद्र को एक अध्ययन केंद्र (एक पूर्व-प्राथमिक विद्यालय) में बदलने के पहले कदम के रूप में परिकल्पना की गई है, जिसमें उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचें, खेल और खेल के उपकरण एवं बेहतर प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री होने चाहिए। इस कार्यक्रम के तहत, महिला एवं बाल

विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) दो स्तरीय प्रशिक्षण कार्यान्वयन मॉडल पर ध्यान केंद्रित करता है। राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (निपसीडी) को अपने नई दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश भर में स्थित पांच क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से पोषण भी पढाई भी के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की क्षमता निर्माण का कार्य सौंपा गया है।

टियर । में निपसिड मुख्यालय और इसके पांच क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से सीडीपीओ, पर्यवेक्षकों और राज्य-नामित अतिरिक्त संसाधन व्यक्तियों सहित राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर (एसएलएमटी) का प्रशिक्षण शामिल है उन्हें ऑनलाइन और ऑफलाइन (व्यक्तिगत रूप से) दोनों तरह के प्रशिक्षणों वाले हाइब्रिड मॉडल में प्रशिक्षित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, टीयर-॥ में एसएलएमटी द्वारा देश भर में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के लिए वास्तविक (भौतिक) रूप में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शामिल है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को सशक्त बनाने तथा दिव्यांग बच्चों सहित सभी बच्चों के लिए इष्टतम शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के अंतर्गत दो पाठ्यक्रम ढांचे – "नवचेतना - जन्म से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रोत्साहन हेतु राष्ट्रीय रूपरेखा और पोषण भी पढाई कार्यक्रम के अंतर्गत "आधारशिला -3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख एवं शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम।

राष्ट्रीय रूपरेखा - "नवचेतना" घर के अंदर और साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों में सहभागिता का मार्गदर्शन करती है, तथा जीवन के पहले तीन वर्षों में बच्चे की वृद्धि और विकास को मापने तथा उसका सहयोग करने के लिए प्रोत्साहन क्रियाकलापों के संचालन में देखरेख करने वालों की सहायता करता है। यह प्रारंभिक तीन वर्षों में मस्तिष्क के विकास के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान करता है, तथा प्रारंभिक उत्तेजना करने वाले क्रियाकलापों के संचालन पर देखभाल करने वालों एवं फ्रंटलाइन कार्यकर्त्रियों के लिए कदम से कदम निर्देश प्रदान करता है। यह विकलांग बच्चों की जांच, समावेशन और रेफरल पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम – "आधारशिला" शिक्षण के सभी क्षेत्र को कवर करते हुए, योग्यता आधारित पाठ योजनाओं और क्रियाकलापों को प्राथमिकता देकर, आंगनवाड़ी केंद्रों में भाग लेने वाले 3-6 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र में दी जाने वाली प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करती है। यह दस्तावेज़ उम्र के उपयुक्त क्रियाकलापों और आकलन के साथ आसान योजना बनाने में सक्षम बनाता है, स्वदेशी खिलौनों एवं कम लागत वाली, बिना लागत वाली सामग्री के उपयोग पर जोर देता है। वार्षिक योजना को 4+36+8 सप्ताहों में विभाजित किया गया है, अर्थात 4

सप्ताह की शुरुआत, 36 सप्ताह की सक्रिय शिक्षा, और 8 सप्ताह का सुदृढीकरण। प्रत्येक सप्ताह को 5+1 दिनों में विभाजित किया गया है, अर्थात गतिविधियों के परिचय और अभ्यास के लिए 5 दिन और साप्ताहिक सुदृढीकरण के लिए एक दिन है। प्रत्येक दिन में 3 ब्लॉक होते हैं, एक स्वागत एवं मुफ्त खेल के लिए, एक सीखने और क्रियाकलापों के माध्यम से खेलने के लिए एवं एक चिंतन और समापन के लिए है।

दिनांक 16.12.2024 तक देश भर में कुल 25,938 राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों (सीडीपीओ, पर्यवेक्षकों और अतिरिक्त संसाधन व्यक्ति) एवं 71,845 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को पोषण भी पढाई भी कार्यक्रम चलाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएंडएफडब्ल्यू) से प्राप्त सुझावों के आधार पर दिनांक 28 नवंबर, 2023 को "दिव्यांग बच्चों के लिए आंगनवाड़ी प्रोटोकॉल" शुरू किया। यह प्रोटोकॉल पोषण अभियान के तहत दिव्यांगों की समावेशी देखरेख के लिए सामाजिक मॉडल को दर्शाता है, जिसमें चरण-दर-चरण दृष्टिकोण अपनाया गया है। यह प्रोटोकॉल दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और पोषण से संबंधित विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जिला प्रशासन को मार्गदर्शन प्रदान करता है। यह प्रोटोकॉल विशुद्ध रूप से चिकित्सा मॉडल के बजाय विकलांगता का सामाजिक मॉडल अपनाता है। दिव्यांग बच्चों को बेहतर गुणवत्ता वाली देखरेख और सेवा प्रदान करने के लिए जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी होने के लिए आसानी से संवाद के लिए इसे सरल बनाया गया है।

****